एक नजर में

रोटरी क्लब ऑफ इन्दौर अपटाउन का पदग्रहण समारोह

इंदौर. रोटरी क्लब ऑफ इन्दौर अपटाउन का सत्र 2026-27 का पदग्रहण समारोह अत्यंत भव्य, गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ. समारोह में रोटे. डॉ. आराधना सहाय ने क्लब अध्यक्ष तथा रोटे. अतुल गुप्ता ने मानद सचिव के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण कर अपने दायित्वों का विधिवत कार्यभार संभाला. इस अवसर पर पदमुक्त अध्यक्ष मनमोहन तिवारी, मानद सचिव दीप्ति दुबे एवं उनकी संपूर्ण टीम को उनके सफल एवं सेवा-समर्पित कार्यकाल के लिए सम्मानित किया गया. समारोह में इन्दौर एवं आसपास के विभिन्न रोटरी क्लबों से आए गणमान्य अतिथियों सहित कुल 174 अतिथियों एवं सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही. नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. आराधना सहाय ने कहा कि रोटरी क्लब ऑफ इन्दौर अपटाउन इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सेवाएँ, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवा विकास एवं सदस्यता विस्तार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में समाजहित की प्रभावी एवं स्थायी सेवा परियोजनाएँ संचालित करेगा. क्लब का प्रत्येक सदस्य इस सेवा यात्रा का महत्वपूर्ण भागीदार होगा और टीम भावना के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेगा. विशेष रूप से महिला सदस्यों एवं नवागत रोटेरियनों की सक्रिय भूमिका ने आयोजन को और अधिक प्रभावशाली बना दिया.

ब्लड सेंटर और ब्लड बैंक का शुभारंभ

इंदौर. पीड़ित मानवता की सेवा में ब्लड बैंक जैसे प्रकल्प का शुभारंभ एक पवित्र संकल्प का प्रतीक है. एक यूनिट रक्त से कितने लोगों को नया जीवन मिल सकता है, यह हम सबको जरुर समझना चाहिए और आज के इस युग में रक्तदान के माध्यम से अपने जीवन को सार्थक बनाने की दिशा में पहल करना चाहिए. ये विचार है सांसद शंकर लालवानी के, जो उन्होंने बिचौली हप्सी रोड स्थित श्रीमंगल नगर पर बालाजी चैरिटेबल ब्लड सेंटर एवं ब्लड बैंक का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए. प्रारम्भ में ट्रस्ट के प्रमुख डॉ. आर के गौड़, डॉ. एल शर्मा, डॉ. विकास गुप्ता, इंदु सत्येन्द्र सिंह राठौर आदि ने अतिथियों का स्वागत किया. समाजसेवी बालकृष्ण छाबड़िया, एसपन गोयल समाधान एवं क्षेत्र के पार्षद राजीव जैन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे और उन्होंने भी इस सेवा प्रकल्प की प्रशंसा की. इस अवसर पर वी-1 हॉस्पिटल के सौजन्य से निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया इसमें 110 मरीजों ने लाभ उठाया. करीब 32 लोगों ने रक्तदान भी किया जिनका सम्मान भी अतिथियों ने किया. स्वागत उद्बोधन डॉ. एल शर्मा ने दिया और संचालन किया डॉ. आर के गौड़ ने. आभार माना सत्येन्द्र सिंह राठौर ने.

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर एक माह होगा आयोजित

इंदौर. एएसजी आई हॉस्पिटल ने सातवीं वर्षगाँठ उत्साहपूर्वक मनाई. समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें अस्पताल के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया. इस अवसर पर अस्पताल की ओर से 20 जुलाई से 20 अगस्त तक नि:शुल्क बाह्य ओपीडी एवं प्राथमिक नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित करने की घोषणा की गई. कार्यक्रम के दौरान सफलतापूर्वक नेत्र शल्यक्रिया करा चुके 100 मरीजों के लिए 'धनक' फिल्म का विशेष प्रदर्शन भी किया गया. यह फिल्म सामाजिक सरोकार पर आधारित है. एएसजी आई हॉस्पिटल के इंदौर क्षेत्र के चिकित्सा निदेशक डॉ. विनीत मूथा ने बताया कि एमजी रोड स्थित एम्बेसी भवन में संचालित अस्पताल में अब तक 1 लाख 30 हजार से अधिक मरीजों की नेत्र जांच की जा चुकी है, जबकि 25 हजार से अधिक सफल नेत्र शल्यक्रियाएं की गई हैं. अस्पताल का उद्देश्य विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मरीजों को उपचार के लिए अन्य महानगरों का रुख न करना पड़े. बच्चों में बढ़ती दृष्टि संबंधी समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. मूथा ने अभिभावकों से अपील की कि 10 वर्ष तक के बच्चों का प्रतिदिन का स्क्रीन समय एक घंटे से कम रखा जाए. साथ ही, बच्चों को नियमित रूप से बाहरी एवं शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाए. इस दौरान डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. महेश बिरला, डॉ. वाफी अंसारी, डॉ. दीपक सोनी, डॉ. कुणाल मांडलिक, डॉ. देविका भट्टाचार्य, डॉ. सतेन्द्र कुमार सिंह एवं डॉ. प्रज्ञा पोरवाल आदि उपस्थित रहे.

तीन दिवसीय नेशनल आर्टिस्ट्स चैम्पियनशिप आज से

इंदौर. ब्यूटी और वेलनेस इंडस्ट्री से जुड़े प्रोफेशनल्स, हेयर आर्टिस्ट्स, मेकअप एक्सपर्ट्स और उभरती प्रतिभाओं के लिए 20 से 22 जुलाई तक फीनिक्स सिटाडेल मॉल में नेशनल आर्टिस्ट्स चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन किया जाएगा. तीन दिन तक चलने वाले इस मेगा इवेंट में देशभर से आने वाले आर्टिस्ट्स, ब्यूटी प्रोफेशनल्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और ब्रांड्स एक ही मंच पर नज़र आएंगे. इस आयोजन में 500 से ज्यादा प्रतिभागी, 50 से अधिक इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और कई प्रमुख ब्रांड्स की भागीदारी रहेगी. प्रतियोगिताओं के साथ लाइव डेमो, फैशन शो, कॉन्फ्रेंस, नेटवर्किंग सेशन और एक्सपर्ट टॉक्स भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रतिभागियों को नई तकनीकों और इंडस्ट्री के बदलते ट्रेंड्स को करीब से समझने का अवसर मिलेगा. नेशनल आर्टिस्ट्स चैम्पियनशिप 2026 की चेयरपर्सन उन्नति सिंह ने बताया कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्यूटी और वेलनेस इंडस्ट्री से जुड़े कलाकारों के लिए सीखने, अपनी प्रतिभा दिखाने और देशभर के विशेषज्ञों से जुड़ने का बड़ा अवसर है. पिछले 34 वर्षों से ब्यूटी एजुकेशन के क्षेत्र में काम करते हुए उनका प्रयास रहा है कि अधिक से अधिक युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण और अवसर मिलें. इसी सोच के साथ नेशनल आर्टिस्ट्स चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन किया जा रहा है. चैम्पियनशिप के दौरान मेकअप, हेयर आर्टिस्ट्री, स्किन, नेल आर्ट और बार्बरिंग जैसी विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएं होंगी.

मालव रत्न अवार्ड से राज्यवर्धन सिंह सम्मानित

इंदौर. गरिमामय समारोह में राजवर्धन सिंह राजपूत को मालव रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया. विश्व ब्राह्मण संघ के प्रमुख योगेंद्र महंत, रामचंद्र श्रीवास्तव एवं शीतल ठाकुर ने राज पूत को दुपट्टा पहना कर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. राजपूत को यह अवार्ड पर्यावरण के क्षेत्र में दिये गए उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया. आयोजन इंदौर धारा ने अभिनव कला समाज में किया था.

यादव अहीर संगठनों की बैठक 26 को

इंदौर. इंदौर जिला यादव अहीर समाज केन्द्रीय समिति के तत्वावधान में कुलदेवता भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में इस बार रजत जयंती वर्ष के प्रसंग पर परंपरागत शोभायात्रा का आयोजन शुक्रवार 4 सितम्बर को होगा. समिति के संरक्षक दीपू यादव एवं अध्यक्ष ओंकार यादव ने बताया कि जुलूस की तैयारियों पर विचार मंथन के लिए यादव अहीर समाज के सभी प्रमुख संगठनों की बैठक 26 जुलाई को शाम 5 बजे चिमनबाग स्थित स्काउट मैदान एवं सभागृह पर रखी गई है. यादव अहीर संगठनों से आग्रह किया गया है कि वे इस बैठक में उपस्थित होकर रजत जयंती वर्ष के उत्साह और उल्लास के अनुरूप इस जुलूस को भव्य, अनुशासित और आकर्षक बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझावों एवं विचारों से भी अवगत कराएं.

गूंजे जगन्नाथ के जयकारे, भजनों पर झूमे भक्त

- रथयात्रा ने अन्नपूर्णा से गोपाल मंदिर तक पूरे मार्ग को बनाया जगन्नाथमय
- देश-विदेश के भक्तों और संतों ने हाथों से खींचा भगवान का रथ
- हरे रामा-हरे कृष्णा संकीर्तन पर नाचते, गाते और झूमते रहे श्रद्धालु

इंदौर. शहर के प्रमुख आस्था केन्द्र अन्नपूर्णा मंदिर से रविवार दोपहर में निकली इस्कॉन की जगन्नाथ रथयात्रा ने माहौल को भक्तिमय बना दिया. रिमझिम फुहारों के बीच राजवाड़ा स्थित गोपाल मंदिर तक करीब 5 कि.मी. लंबे यात्रा मार्ग को हरे रामा हरे कृष्णा संकीर्तन की मस्ती और भक्ति की रसधारा से सराबोर बनाए रखा. 50 फीट ऊंचे हाइड्रोलिक रथ पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा विराजे थे.रथयात्रा में विदेशी भक्त भी शामिल हुए. हाइड्रोलिक रथ की रस्सियां थामकर भगवान का रथ भक्तों ने खींचा और भक्ति में लीन नजर आए.

इस्कॉन मंदिर इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामनदास, अन्नपूर्णा आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि, स्वामी जयेन्द्रानंद गिरि, अखंडधाम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप, हंसदास मठ के महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज सहित अनेक संतों-महंतों के सानिध्य में वरिष्ठ समाजसेवी टीकमचंद गर्ग, विष्णु बिंदल, राजेश गर्ग केटी, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे, पार्षद नंदकिशोर पहाड़िया सहित भक्त एक विशाल रथ पर विराजित भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के विग्रह को लेकर यह रथ यात्रा जैसे-जैसे आगे बढती गई, आस्था के हिलोरे भी बढ़ती चली गए. करीब 12 हजार श्रद्धालुओं का यह काफिला गोपाल मंदिर तक पहुँचने में करीब 5 घंटे का समय लगा. इस दौरान समूचे यात्रा मार्ग पर जगन्नाथ चका नैन, तू न संभाले तो हमें कौन संभाले और हरे रामा हरे कृष्णा संकीर्तन की गूंज बनी रही. भगवान के जयघोष से समूचा मार्ग गुंजायमान होता रहा. यात्रा मार्ग पर ड्रोन से पुष्प वर्षा भी होती रही. शहर के अनेक धार्मिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, राजनेता एवं विद्वान भी इस यात्रा में भागीदार बने. रथ यात्रा संयोजक हरि अग्रवाल, किशोर गोयल, अशोक गोयल एवं सह संयोजक भावेश दवे ने प्रारम्भ में सभी अतिथियों की अगवानी की.

संकीर्तन और नृत्य से बांधा

अतिथियों ने रथ का पूजन और यात्रा मार्ग को झाडुओं से बुहारकर इस यात्रा का शुभारम्भ किया. यात्रा शुरू होते ही भक्तों का जोश पूरे शबाब पर पहुँच गया और नाचते-गाते-झूमते भक्तों के समूह सड़कों पर उतर आए. कतर से आए संत डॉ. लक्ष्मणदास, यूक्रेन से आए गोपालाराज दास एवं गोविंदा हरिदास सहित वृन्दावन, मायापुर-कोलकाता एवं देश के अन्य शहरों से आए संतों एवं भक्तों ने अपने संकीर्तन और नृत्य से ऐसा समां बाँधा कि राह चलते लोग भी यात्रा में शामिल होते चले गए. यात्रा के अंत में चल रहे वाहन से प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी पूरे समय चलती रही. इस दौरान रथ को अपने हाथों से खींचने के लिए भक्तों में होड़ लगी रही.

राहगीर पर हमला करने वाले दो बदमाश 24 घंटे में धराए

इंदौर. एमआईजी पुलिस ने राहगीर पर जानलेवा हमला करने वाले दो बदमाशों को वारदात के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और डंडा भी बरामद कर लिया है, जबकि तीसरे आरोपी की तलाश जारी है. 17 जुलाई की तड़के करीब चार बजे कृष्ण बाग कॉलोनी निवासी निखिल पाटिल उम्र 22 साल ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे. बर्फानी धाम स्थित पानी की टंकी के पास सड़क पर पड़ी ईंट हटाने के लिए उन्होंने बाइक रोकी. इसी दौरान बाइक पर सवार तीन बदमाश वहां पहुंचे और उनमें से एक ने निखिल के चेहरे पर डंडे से हमला कर दिया. पुलिस ने करीब 250 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले. इसमें हुलिया और आरोपियों के पहने कपड़ों के आधार पर उनकी पहचान करते हुए पुलिस ने गौतम बिल्लौरे उम्र 19 साल और अरुण बनिया उम्र 19 साल, दोनों निवासी कृष्ण बाग कॉलोनी को गिरफ्तार कर लिया. तीसरे आरोपी शुभम रोकड़े की तलाश की जा रही है.

आज सबसे बड़ा संकट संवादहीनता : शर्मा

इंदौर. एक सौ एक वर्षीय समाजवादी चिंतक, विचारक एवं पूर्व सांसद पंडित रामकृष्ण शर्मा ने कहा कि आज के दौर में सबसे बड़ा संकट संवादहीनता का है. संवादहीनता की वजह से ही समाज में बड़ा असंतोष व्याप्त हो रहा है.

पंडित रामकृष्ण शर्मा स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रहे थे. पंडित शर्मा राजस्थान के भरतपुर से चार मर्तबा विधायक एवं एक बार सांसद रह चुके हैं. पंडित शर्मा हाल ही में आंदोलनकारी सोनम वांगचुक से मिलने नई दिल्ली के जंतर मंतर पहुंचे थे और कल पुन: संसद मार्च के लिए नई दिल्ली पहुंच रहे हैं. उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी के साथ मोदी सरकार का रवैया सदैव असंतोषजनक रहा. प्रारंभ में पं. शर्मा एवं उनके पुत्र वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा का स्वागत अनिल त्रिवेदी, अनिल कुमार धड़वईवाले, रामस्वरूप मंत्री प्रवीण खारीवाल, नवनीत शुक्ला, रवीश बेंजामिन एवं पंकज क्षीरसागर ने किया.

पोस्टल असिस्टेंट हत्याकांड : फरार आरोपी पति की रेलवे ट्रैक पर लाश मिली

नव भारत न्यूज

इंदौर. पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी हत्याकांड में फरार चल रहे मुख्य आरोपी और मृतका के पति अखिलेश सैनी का शव रविवार को गंजबासौदा के पास रेलवे ट्रैक पर मिला. शव का सिर धड़ से अलग था. पैंट की जेब से आधार कार्ड, अन्य दस्तावेज और एक सुसाइड नोट मिलने के बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी. इसके बाद इंदौर पुलिस का एक दल अखिलेश के परिजनों को साथ लेकर गंजबासौदा पहुंचा, जहां उसके पिता और भाई ने शव की शिनाख्त की.

गंजबासौदा और पवई के बीच रेलवे ट्रैक के पोल नंबर 925 के पास सिरविहीन शव पड़े होने की सूचना शहर थाना गंजबासौदा पुलिस को मिली थी. पुलिस ने बताया कि थाना प्रभारी संजय वेदिया मौके पर पहुंचे तो केवल धड़ मिला, जबकि सिर गायब था. पुलिस ने रेलवे ट्रैक के आसपास करीब छह किलोमीटर तक तलाश की, लेकिन सिर का पता नहीं चल सका. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस ने मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी

थाना प्रभारी संयोगितागंज केपी यादव ने बताया कि गंजबासौदा पुलिस से सूचना मिलने के बाद इंदौर पुलिस का दल परिजनों को लेकर मौके पर पहुंचा. मृतक के पिता और भाई ने शव की शिनाख्त अखिलेश सैनी के रूप में की है, शव के पास से जो दस्तावेज बरामद हुए हैं, उसे भी उसकी पुष्टि हुई है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

गौरतलब है कि 11 जुलाई को थाना क्षेत्र के सरकारी आवास में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या कर दी गई थी. वारदात के बाद से आरोपी अखिलेश सैनी फरार था. जांच के दौरान मृतका की बेटी ने पुलिस को बताया था कि उसका पिता लंबे समय से मां पर बेवजह शक करता था और पहले भी कई बार मारपीट व जान से मारने की कोशिश कर चुका था. आरोपी की गिरफ्तारी पर पहले 10 हजार और बाद में 20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था. अब पुलिस यह भी जांच कर रही है कि फरारी के दौरान अखिलेश कहां छिपा रहा और उसकी मौत आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है.

डीएवीवी के स्कूल ऑफ स्टेटिस्टिक्स में प्रत्यक्ष प्रवेश शुरू

नवभारत न्यूज

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के स्कूल ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में कॉलेज स्तरीय काउंसलिंग के माध्यम से प्रत्यक्ष प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है. प्रवेश 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर उपलब्ध सीटों के अनुसार दिए जाएंगे. स्कूल ऑफ स्टेटिस्टिक्स द्वारा बी.ए./बी.एससी. (ऑनर्स/रिसर्च) सांख्यिकी, एकीकृत द्वैध डिग्री कार्यक्रम (बी.ए./बी.एससी. + एम.ए./एम.एससी. सांख्यिकी), एम.ए./एम.एससी. (सांख्यिकी) प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष में प्रवेश दिए जा रहे हैं. सभी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया स्कूल ऑफ स्टेटिस्टिक्स, विज्ञान भवन, डीएवीवी के खंडवा रोड स्थित परिसर में संचालित की जा रही है. विश्वविद्यालय प्रशासन ने इच्छुक अभ्यर्थियों से डायरेक्ट मेरिट बेस्ड एडमिशन-2026 के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन करने का आग्रह किया है। प्रवेश पात्रता की शर्तों तथा सीटों की उपलब्धता के अधीन होंगे. प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को कार्यालय समय में स्कूल ऑफ स्टेटिस्टिक्स पहुंचकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे. इनमें 10वीं और 12वीं की अंकसूची एवं प्रमाण-पत्र, स्नातक की अंकसूची (स्नातकोत्तर प्रवेश हेतु), आधार कार्ड, समग्र आईडी, मूल निवासी प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, जाति एवं ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो), ट्रांसफर सर्टिफिकेट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज शामिल हैं। गैप वाले विद्यार्थियों को शपथ-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा.

फोटोकॉपी के दो सेट जमा करना अनिवार्य

विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश के समय सभी दस्तावेजों की स्वप्रमाणित फोटोकॉपी के दो सेट जमा करना अनिवार्य होगा. ट्रांसफर सर्टिफिकेट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट मूल रूप में जमा किए जाएंगे, जबकि अन्य मूल दस्तावेज सत्यापन के बाद विद्यार्थियों को वापस कर दिए जाएंगे.

आयुक्त ने स्काडा कंट्रोल रूम पर जलापूर्ति की ली जानकारी

प्रभावित क्षेत्र में टैंकर द्वारा जल प्रदाय करने के निर्देश

नव भारत न्यूज

इंदौर. रविवार को निगम आयुक्त ने मुसाखेड़ी स्थित नर्मदा जलप्रदाय व्यवस्था की जानकारी ली. उन्होंने शहर में जलप्रदाय बाधित होने पर टैंकरों से सप्लाई करने के डी निर्देश दिए.

आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा आज सुबह मुसाखेड़ी स्थित स्काडा कंट्रोल रूम में पिछले दिनों नदी में कचरा आने के कारण सफाई एवं मेन ग्रेविटी पाइप लाइन में लीकेज सुधार कार्य के लिए पम्प बंद किए गए थे. इस कारण शहर में कई क्षेत्रों में जलप्रदाय प्रभावित हुआ है. आयुक्त ने कंट्रोल रूम पर पानी की जानकारी ली और जिन क्षेत्रों में पानी की टंकी नहीं भरी या कम भरी है, उन क्षेत्रों में टैंकर से पानी बांटने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए. ध्यान रहे कि 18 जुलाई को नर्मदा तृतीय चरण के 180 एमएलडी सप्लाई लाइन में नदी से कचरा आने के कारण सम्प का लेवल कम हो गया था. साथ ही ग्राम बडगोंदा के पास 1200 एम एम व्यास की ग्रेविटी मेन पाइप लाइन में लीकेज सुधार कार्य के लिए पम्प बंद किए गए थे. उक्त कार्य के कारण आज शहर के कई इलाकों में नर्मदा पानी टंकियों से जलप्रदाय नहीं हुआ.

आध्यात्मिक परिपक्वता ही संतुलित जीवन का आधार

इंदौर. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिवशक्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर में ब्रह्माकुमारीज की यूथ विंग द्वारा आध्यात्मिक परिपक्वता विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ. कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से आए ब्रह्माकुमार एवं ब्रह्माकुमारी भाई-बहन उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं.

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए इंदौर जोन की जोनल इंचार्ज राजयोगिनी बी.के. आरती दीदी ने कहा कि वर्तमान समय की तेज़ रफ्तार जीवनशैली, बढ़ते तनाव और मानसिक चुनौतियों के बीच आध्यात्मिक परिपक्वता जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है. आध्यात्मिक परिपक्वता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के विचारों, व्यवहार, धैर्य, करुणा, सहनशीलता और आत्म-नियंत्रण में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है. यूथ विंग की राष्ट्रीय संयोजक बी.के. कृति दीदी ने कार्यशाला की भूमिका, उद्देश्य एवं आगामी तीन दिनों की गतिविधियों की जानकारी दी. यूथ विंग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमार आत्म प्रकाश भाई ने प्रेरणादायी अनुभव साझा किए. वरिष्ठ न्यायविद जस्टिस बी.डी. राठी ने भी संबोधित किया. समाजसेवी सुरेश गुप्ता ने आभार माना.

सही देखभाल से 80 साल की उम्र में भी बच सकते हैं प्राकृतिक दांत

इंदौर. 'उम्र बढ़ने पर दांत गिरना स्वाभाविक है' अगर आप भी ऐसा मानते हैं तो विशेषज्ञ इसे सबसे बड़ा भ्रम बताते हैं. उनका कहना है कि सही देखभाल, नियमित जांच और अच्छी ओरल हाइजीन अपनाई जाए तो 80-100 साल की उम्र तक भी प्राकृतिक दांत सुरक्षित रह सकते हैं.

इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजिस्ट (आईएसओआई) की मिड टर्म कॉन्फ्रेंस एवं प्रथम पीजी कन्वेंशन के समापन दिवस पर देशभर के विशेषज्ञों ने ओरल हेल्थ से जुड़े ऐसे कई मिथकों को तोड़ा और लोगों को दांतों की देखभाल के आसान तरीके बताए. मुंबई की इंप्लांट विशेषज्ञ डॉ. कोमल मजूमदार ने बताया कि कई मरीज वर्षों तक दांत नहीं लगवाते, जिससे जबड़े की हड्डी कम हो जाती है. ऐसे मामलों में साइनस लिफ्ट जैसी एडवांस प्रक्रिया के जरिए कृत्रिम हड्डी तैयार कर इंप्लांट लगाया जा सकता है. उन्होंने बताया कि इंप्लांट कराने की कोई अधिकतम उम्र नहीं होती. अगर मसूड़े स्वस्थ हैं और मुंह की सफाई अच्छी है तो 80 वर्ष की उम्र में भी इंप्लांट लगाए जा सकते हैं. पुणे के पीरियोडॉन्टिस्ट डॉ. ऋजु प्रदीप सुराना ने बताया कि डिजिटल तकनीक और आधुनिक इंप्लांट सिस्टम की मदद से कई मामलों में चार से पांच घंटे के भीतर अस्थायी दांत लगाए जा सकते हैं.

नई तकनीकों का अनुभव साझा किया

कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. मनीष वर्मा ने बताया कि तीन दिन के सम्मेलन का उद्देश्य केवल वैज्ञानिक व्याख्यान कराना नहीं था, बल्कि देशभर के दंत चिकित्सकों और पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों तक इंप्लांटोलॉजी की नवीनतम तकनीकों को पहुंचाना था. कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. गगन जायसवाल ने कहा इस सम्मेलन में देशभर के विशेषज्ञों ने डिजिटल इंप्लांटोलॉजी, जटिल मामलों के उपचार और नई तकनीकों का अनुभव साझा किया. इससे मध्यप्रदेश सहित देश के युवा डॉक्टरों को एक ही मंच पर सीखने का अवसर मिला. ट्रेजरार डॉ. राजीव श्रीवास्तव कहा कि सम्मेलन का अंतिम लक्ष्य सिर्फ नई तकनीक सीखना नहीं, बल्कि उसे आम मरीज तक पहुंचाना है, ताकि बेहतर इलाज बड़े शहरों तक सीमित न रहे.

एक नजर में | शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन का 20वां दिन

पांच छात्र रहे 24 घंटे की क्रमिक भूख हड़ताल पर

नवभारत न्यूज़

इंदौर. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर इंदौर के टंट्या भील चौराहा भंवरकुआँ पर छात्रों का शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन रविवार को 20वें दिन भी जारी रहा. आंदोलन से जुड़े छात्रों का कहना है कि यह केवल कुछ विद्यार्थियों का विरोध नहीं, बल्कि देशभर के छात्रों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था में सुधार और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर चलाया जा रहा है.

आंदोलनकारियों के अनुसार, पिछले 20 दिनों से छात्र लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं. उनका कहना है कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर जवाबदेही तय होने तक आंदोलन जारी रहेगा. आंदोलन के समर्थन में रविवार को पांच छात्र 24 घंटे की क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे हैं. इससे पहले 17 जुलाई को एक छात्र और 18 जुलाई को भी एक छात्र ने 24-24 घंटे की भूख हड़ताल की थी. आंदोलनकारियों ने बताया कि उनकी 23 सूत्रीय मांगों में शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने, विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों के समाधान, छात्र बस पास की बढ़ी हुई दरों में कमी सहित अन्य छात्रहित के विषय शामिल है. आंदोलनकारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहेगा. यह अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में भी जारी है. आंदोलन पूरी तरह अहिंसक और लोकतांत्रिक है. शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों के हितों से जुड़े मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना इसका उद्देश्य है.

ठोस कदम उठाना चाहिए

शकुन्तला मंसारे | राहुल डावर | बुरहानुद्दीन | रोहित वास्कले

आंदोलनकारी इसे चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं. भूख हड़ताल पर बैठे लोगों में शकुन्तला मंसारे, राहुल डावर, बुरहानुद्दीन और रोहित वास्कले शामिल रहे. उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त समस्याओं के समाधान के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए कथित पेपर लीक मामलों के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।